दिनांक :- 21-04-20

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

स्नातक :- प्रथम खंड कला

लेखक का नाम :- डॉ० फारूक आजम

विषय :- इतिहास प्रतिष्ठा

इकाई :- दो

पत्र :- एक

अध्याय :- प्रतीक चिह्न के रूप में पशुओं की पूजा

मुख्य रूप से कूबड़ वाले सांड की पूजा होती होती थी। पशु पूजा वास्तविक एवं काल्पनिक दोनों रूपों मे होती थी। मुहरों मे बहुधा एक ब्राह्मणी बैल चित्रित मिलता है जिस के गले के नीचे भारी झालदार खाल लटकती दिखाई देती है। मुहरों पर ऐसा मिथकीय जानवर भी मिलता है जिसका अगला हिस्सा मनुष्य जैसा तथा पिछला हिस्सा शेर जैसा दिखाई देता है।

वृक्ष पूजा :-

संभवतः पीपल, नीम और बबूल की पूजा होती थी।

एवं मुख्य रूप से पीपल एवं बबूल की पूजा होती थी।
नाग पूजा :-

कुछ मृदभाण्डों पर नाग की आकृति मिली है अतः अनुमानतः नाग की भी पूजा होती है।

लोथल से प्राप्त कुछ मृदभाण्डों पर साँप बने हैं।

प्रेतवाद :-
सिंधु सभ्यता के धर्म में धर्म प्रेतवाद का भाव मिलता है। प्रेतवाद वह धार्मिक अवधारणा है जिसमें प्रेतों, पत्थरों आदि की उपासना इस भय से की जाती है कि इनमें बुरी आत्मा निवास करती है।

इसके अतिरिक्त सिंधु सभ्यता की धार्मिक भावना से धर्म भक्ति धर्म और पुनर्जन्मवाद के बीज भी मिलते हैं।

अन्त्येष्टि के प्रकार :-
(1) पूर्ण समाधिकरण (2) आंशिक समाधिकरण

(3) दाह संस्कार
सबसे अधिक पूर्ण समाधिकरण प्रचलित था।

कालीबंगा में छोटी-छोटी गोलाकार कब्रें मिली है।

लोथल में युग्म शवधान का साक्ष्य मिला है। विद्वान इसे

सती प्रथा के प्रचलन के रूप में देखते हैं। रोपड़ में एक कब्र में मालिक के साथ कुत्ते को दफनाए जाने का साक्ष्य मिला है।

हड़प्पा की कब्र में एक ताबूत भी मिला है जो देवदारु लड़की से निर्मित है।

वैज्ञानिक प्रगति :-

यहाँ टिन तथा ताँबे के उचित मिश्रण द्वारा काँसा निर्माण की विधि ज्ञात थी।

मूर्तियों तथा बर्तनों को ढलाई तथा गढ़ाई की भी ज्ञान था।

नाव बनाने की तकनीक ज्ञात थी।

ग्रहों तथा नक्षत्रों का ज्ञान था।

सिंध में सुक्कर एंव रोहड़ी मे पत्थर के उपकरण बनाने के कारखानों का साक्ष्य मिला है।

हड़प्पा सभ्यता का पतन

हड़प्पा सभ्यता के अंतिम चरण तक नगर - नियोजन एंव

नगर निर्माण में एक ह्रासोन्मुख प्रवृत्ति दिखाई देती है। उदाहरण के लिये पतली विभाजक रेखा से घरों के आँगन का विभाजन कर विभाजन कर दिया गया। शहर बड़ी तेजी से तंग बस्तियों समाप्त हो गया। मूर्तियों, लघु मूर्तियों मनका आदि में निर्माण में कमी आई तथा भवन के पुनर्निर्माण में पुरानी ईंटों के ही प्रचलन बढ़ गया।

बहावलपुर क्षेत्र में हकरा नदी तटों के साथ परिपक्व काल में जहाँ 174 बस्तियाँ थीं वहाँ उत्तरवर्ती हड़प्पा काल में बस्तियों की संख्या 50 रह गई।

जहाँ हड़प्पा बहावलपुर और मोहनजोदड़ो के त्रिभुज में बस्तियों की संख्या में ह्रास हुआ वहीं गुजरात, पूर्वी पंजाब हरियाणा तथा ऊपरी दोआब के दूरस्थ क्षेत्रों में गंगा की बस्तियों की संख्या में वृद्धि हुई।

सिंधु सभ्यता के नगरों का परित्याग स्थूल रूप में लगभग।

Scanned with CamScanner

1800 ई० पू० में हुआ। इस कालपाधि का समर्थन इस तथ्य से होता है कि मेसोपोटामियाई साहित्य में 1900 ई० पू० के अंत तक मेलुहा का उल्लेख समाप्त हो गया।

पतन के कारण :-

(1) परिस्थितिक असंतुलन - फेयर सर्विस

(2) वर्धित शुष्कता और घग्घर का सूख जाना - डी.पी. अग्रवाल, सूद, अमलानंद घोष

(3) नदी मार्ग में परिवर्तन - माधो स्वरूप वत्स, डेल्स, लैम्ब्रिक

डेल्स के अनुसार घग्घर नदी के मार्ग में परिवर्तन होने से ही कालीबंगा का पतन हुआ।

(4) बाढ़ - मोहनजोदड़ो में बाढ़ के स्पष्ट चिन्ह प्राप्त होते हैं इस विचार के प्रतिपादन में मैके और एस. आर. राव के नाम शामिल हैं।

मैके के अनुसार चान्हुदड़ो बाढ़ की वजह से नष्ट हुआ।

एस. आर. राव के अनुसार लोथल और भगतराव में

दो भीषण बाढ़ आई थी।

(5) दूसरे प्रकार का जल प्लावन - एम. आर. साहनी और आर. एल. राइक्स

मोहनजोदड़ो, आमरी आदि स्थलों से ज्ञात होता है कि एक दूसरे प्रकार का जल प्लावन भी हुआ था जिसमे काफी लंबे समय तक नगर के अंदर पानी रुका रहा था।

आर. एल. राइक्स के अनुसार ऐसा जल प्लावन, भूकम्प (सुनामी) की वजह से हुआ था।

(6) बाह्य आक्रमण :- ~~मसाम~~ मर्टिमर-व्हीलर का कहना है कि यद्यपि पतन क्रमिक तथा दीर्घीकृत रहा परंतु अंत विध्वंशात्मक बलूचिस्तान के नाल तथा डाबरकोट आदि क्षेत्रों से अग्निकांड के साक्ष्य मिलते हैं। मोहनजोदड़ो से बच्चे स्त्रिया एवं पुरुष के कंकाल प्राप्त होते है। ऋग्वेद में हरयूपिया शब्द प्रयुक्त हुआ है जिसकी पहचान हड़प्पा से स्थापित

की गई है। इंद्र को किलों का भंजक अर्थात पुरंदर कहा गया है।

(7) प्रशासनिक शिथिलता - जॉन मार्शल।

(8) जलवायविक परिवर्तन - ऑरेल स्टाइन।

निष्कर्ष यह है कि सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के लिये कोई एक कारक नही बल्कि अलग-अलग स्थलों के पतन के लिये अलग-अलग कारक जिम्मेवार थी।

Scanned with CamScanner